

Women Society and State : A Historical Perspective

A National Seminar was organised on “Women Society and State : A Historical Perspective” in the month of 31st July and 1st August, 2015 in the college. The seminar was sponsored by the U.G.C.

There was meaningful dialogue on the subject “Women Society and State : A Historical Perspective” by the scholars and professors who participated in the seminar as resource persons and delegates. The subject was studied in detail and in historical perspective. Divergent issues were presented on the subject and finally the seminar came up with a resolution that both the society and state have contributed to the well being of the women, to uphold their dignity and to ensure place of respect in the society.

Dr. Pramodanand Das, Professor and Head, Department of History, Patna University was the key note presenter. The other distinguished scholars were Dr. Sushil Rajgariya, Head Dept. of Political Science, St. Xavier's College, Ranchi and Dr. Minu Charan, Associate Professor and Head Dept. of History, J.N. College, Dhurva, Ranchi.

On 26th July, 2016, a seminar volume consisting of various papers presented by the scholars was published and released in a simple ceremony by Sardar R.S. Chahal. The seminar volume was edited by Dr. Ranjana Das.



















Press Release

अक्टूबर के बाद शुरू होगा बीएड में दाखिला

एनसीटीई टीम के निरीक्षण के बाद ही नवम्बर पर निर्णय : डॉ. विद्या
छात्रों और प्रमुखों के लिए कॉलेजों से भागी नहीं रहना चाहिए

आयोजन, गुरु नानक कॉलेज के सेमिनार में बोले डॉ परमानंद नारी उत्थान में गांधीजी की भूमिका महत्वपूर्ण

कानून बने, घर टूटकर नहीं
कानूनी जम्बूझकता जरूरी

डिजिटल इंडिया से पूरा होगा महिला सशक्तीकरण

एनसीटीई टीम के निरीक्षण के बाद ही नवम्बर पर निर्णय : डॉ. विद्या
छात्रों और प्रमुखों के लिए कॉलेजों से भागी नहीं रहना चाहिए

आयोजन, गुरु नानक कॉलेज के सेमिनार में बोले डॉ परमानंद नारी उत्थान में गांधीजी की भूमिका महत्वपूर्ण

कानून बने, घर टूटकर नहीं
कानूनी जम्बूझकता जरूरी

डिजिटल इंडिया से पूरा होगा महिला सशक्तीकरण

एनसीटीई टीम के निरीक्षण के बाद ही नवम्बर पर निर्णय : डॉ. विद्या
छात्रों और प्रमुखों के लिए कॉलेजों से भागी नहीं रहना चाहिए

आयोजन, गुरु नानक कॉलेज के सेमिनार में बोले डॉ परमानंद नारी उत्थान में गांधीजी की भूमिका महत्वपूर्ण

कानून बने, घर टूटकर नहीं
कानूनी जम्बूझकता जरूरी

डिजिटल इंडिया से पूरा होगा महिला सशक्तीकरण

